अमृत प्रार्थना - गोमाता से

हे भगवती गोमाता!
हम आपको प्रणाम करते हैं। आप हमें शक्ति प्रदान करें,भक्ति प्रदान करें।आप हमारे शरीर को स्वस्थ बनाएँ। हम आपकी कृपा से माता पिता के भक्त बनें। हम आपके आशीर्वाद से, संतों के, सद्गुरु के, गोमाता के और भगवान के भक्त बनें।आपकी सेवा करके हमारा शरीर स्वस्थ हो,हमारा मन पवित्र हो, हमारी बुद्धि निर्मल हो। हमारे सभी अंग उपांग पुष्ट हो।

हे गोमाता! आप कृपा करें कि हम धर्मात्मा बनें, दान दाता बनें, हम सदाचारी बनें, हम ब्रह्मचारी बनें।हे गोमाता! आपकी सेवा से एक सेवक के पास जो गुण होना चाहिए वह गुण हमारे पास में आए। हमारी आँखें स्वस्थ हो,हमारे कान स्वस्थ हो,हमारी वाणी मधुर हो,हमारे हाथों से सदा सत्कर्म हो। हमारे पाँव कभी भी गलत जगह ना जाएँ और हमारे मन में कभी दूसरे के प्रति दुर्भावना ना आये। हमारी बुद्धि सूक्ष्म हो, चिंतनशील हो,विवेकशील हो।

हे गोमाता! हमसे कभी भी कुछ भी बुरा कर्म ना बने। और हम कभी भी किसी बात का अहंकार ना करें। आप हमें सन्मार्ग पर चलाती रहना क्योंकि जो आपकी पूँछ पकड़कर चलता है, जो आपके पीछे चलता है, जो आपकी सेवा करता है वह भगवान को प्राप्त हो जाता है। भगवान उनसे प्रसन्न हो जाते हैं।

ॐ शांति शांति शांति !